भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2800
बुधवार, 20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

गहरे समुद्र में जैव-विविधता

2800. श्री राजा अमरेश्वर नाईक:
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
श्री विनोद कुमार सोनकर:
श्री भोला सिंह:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या डीप ओशन मिशन को देश में समुद्री जीव विज्ञान क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए क्षमता विकास की दिशा में कार्य करने के लिए निर्देश दिया गया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) देश में आज तक कार्यान्वित की जा रही विभिन्न महासागर विकास परियोजनाओं का परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;
(घ) विगत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान सरकार द्वारा महासागर विकास परियोजनाओं के लिए आवंटित निधि का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) सरकार द्वारा देश में गहरे समुद्र में जैव-विविधता के संरक्षण हेतु 'डीप ओशन' सर्वेक्षण, अन्वेषण और परियोजनाओं के लिए अन्य कौन-कौन से कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर
पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(श्री किरेन रीजीजू)

(क) और (ख) डीप ओशन मिशन को समुद्री विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शिक्षा, अनुसंधान और उत्कृष्टता में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से समुद्री जीवविज्ञान, समुद्री पारिस्थितिकी और संबंधित समुद्री इंजीनियरिंग में चल रहे उन्नत बुनियादी और अनुप्रयुक्त अनुसंधान को एकीकृत करके समुद्री जीवविज्ञान घटक में क्षमता विकास और उद्यम के लिए निर्देशित किया गया है। इसका उद्देश्य देश में समुद्री क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए ऑन-साइट बिजनेस इनक्यूबेटर सुविधाओं के माध्यम से अनुसंधान को औद्योगिक अनुप्रयोग और उत्पाद विकास में परिवर्तित करेगा।

(ग) डीप ओशन मिशन में शुरू की गई परियोजनाओं का विवरण इस प्रकार है:-

i. गहरे समुद्र में खनन के लिए मानवयुक्त पनडुब्बी और अंडरवॉटर रोबोटिक्स के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास
ii. महासागर जलवायु परिवर्तन परामर्शी सेवाओं का विकास
iii. गहरे समुद्र में जैव विविधता की खोज और संरक्षण के लिए प्रौद्योगिकीय नवाचार
iv. गहरे समुद्र में सर्वेक्षण और अन्वेषण
v. समुद्र से ऊर्जा और पेय जल
vi. समुद्री जीव विज्ञान के लिए उन्नत समुद्री स्टेशन

(घ) पिछले तीन वर्षों के दौरान डीप ओशन मिशन के तहत आवंटित धनराशि का विवरण इस प्रकार है:-

2021- 22	2022-23	2023-24
150 करोड़ रुपए	400 करोड़ रुपए	450 करोड़ रुपए

(ङ) समुद्री जैव विविधता का दस्तावेज़ीकरण और मानचित्रण उनके संरक्षण के लिए एक प्राथमिक कारक है। इस दिशा में, मंत्रालय ने समुद्री सजीव संसाधन और परिस्थितिकी केंद्र (सीएमएलआरई) के माध्यम से हाल ही में इसकी जैव विविधता का दस्तावेजीकरण करने के लिए अपने अनुसंधान पोत पर स्व- स्थाने डेटा संग्रहण के माध्यम से भारतीय अनन्य आर्थिक क्षेत्र में एक गहरे सीमाउंट पर एक सर्वेक्षण किया है। यह कुछ और गहरे समुद्री क्षेत्रों के समान अध्ययनों के साथ मिलकर इन पारिस्थितिक तंत्रों को संरक्षित करने में मदद करेगा।

*****